अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 19/11/2023 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (१) प्रश्न क्र. १ अनिवार्य है ।
(२) अन्य छः प्रश्नों में से चार प्रश्न हल किजिए ।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1. निम्नलिखित रागों में से किसी एक राग का वर्ज्य स्वर, ठाठ और इनमें कौनसे रागों का मिश्रण किया है उनकी जानकारी दीजिये। इनमें से एक राग में बड़ा ख्याल / मसीतखानी गत पं.भातखंडे स्वरलिपी में लिपीबद्ध करें तथा तीन आलाप और दो तान स्वरलिपीबद्ध करें। (5+10+3+2=20)

1) बिहागडा 2) कोमल रिषभ आसावरी

प्र.2. अ) राग चंद्रकंस या देवगंधार राग के छोटे ख्याल की बंदिश / रजाखानी गत पाच तानोंसहित पं.पलुस्कर स्वरलिपी में लिपीबद्ध करें। (5+5=10)

ब) पाठ्यक्रम के सामान्य अध्ययन के रागों में से एक धृपद (स्थायी और अंतरा) एकगुन में और अंतरे की तिगुन पं.भातखंडे पद्धती में स्वरलिपीबद्ध करें। (6+4=10)

प्र.3. साम्य-भेद स्पष्ट करें। (कोई भी दो) (10+10=20)

1. देवगंधार-कोमल रिषभ आसावरी
2. आभोगी-कलावती
3. मेघमल्हार-मियाँमल्हार

प्र.4. अबतक पाठ्यक्रम में सीखे हुए 14 मात्राओं के तालों के नाम और उनके बोलों के साथ लिखिये तथा उनका तुलनात्मक विवेचन करें। समान मात्रा होते हुए भी इन तालों के निर्माण की आवश्यकता के बारे में आपके विचार लिखिये। (12+8=20)

प्र.5. 'रागांग वर्गीकरण' या अर्थ स्पष्ट करें तथा 'कानडा' और 'तोडी' रागांगों के दो-दो रागों का रागांग वर्गीकरण की विशेषताओं के साथ विवेचन करें। (8+6+6=20)

प्र.6. टिप्पणियाँ लिखिये। (कोई भी दो) (10+10=20)

1) प्रबंध 2) जोडराग-मिश्रराग (उदाहरणसहित)

3) राग समयचक्र में मध्यम का महत्त्व 4) जातीगायन

प्र.7. अ) जोडी लगाइये। (10)

अ	ब
1. टप्पा	1. रागम्, तानम्, पल्लवी
2. ठुमरी	2. पं.ओंकारनाथ ठाकूर
3. प्रबंध	3. मांड
4. धृपद	4. पं.वि.ना.भातखंडे
5. संगीतांजली	5. शंख
6. भरत का संगीत सिद्धांत	6. दिपचंदी
7. लक्ष्यसंगीत	7. शारंगदेव
8. सुषिर वाद्य	8. काष्ठतरंग
9. घनवाद्य	9. वीणा
10. ततवाद्य	10. के.सी.डी.बृहस्पती

ब) सही पर्याय चुनिये। (10)

1. भरतनाट्यशास्त्र में कौनसे अध्याय में 'रस' का विवेचन किया है?
   1) 3 2) 4 3) 6 4) 33
2. नर्तन और विविध रसभाव का विवेचन संगीत रत्नाकर में कौन से अध्याय में किया है?
   1) 2 2) 5 3) 6 4) 7
3. गऽ मुप मुप गऽरेसा यह स्वर संगती कौन से राग में गायी जाती है?
   1) बिहाग 2) नंद 3) बिहागडा 4) बिलावल
4. दोनों मध्यमों का प्रयोग कौन से राग में होता है?
   1) रामकली 2) मेघमल्हार
   3) मधमाद सारंग 4) कोई नहीं
5. संचारी एवं आभोग का गायन किस गायन शैली में किया जाता है?
   1) ठुमरी 2) टप्पा 3) ख्याल 4) धृपद
6. चार मात्रा में सात मात्रा गिनने के लयकारी का नाम क्या है?
   1) आड 2) कुआड 3) बिआड 4) तिगुन
7. ग्वालियर घराने को महाराष्ट्र में किसने प्रचलित किया?
   1) पं.वि.दि.पलुस्कर 2) पं.रामकृष्णबुवा वझे
   3) पं.बाळकृष्णबुवा इचलकरंजीकर 4) उ.निस्सारहुसेन खॉ